18-4-67 ओम शान्ति रात्री क्लास

किसकी याद में बैठे हो और किसकी इन्तजार में बैठे हो? (शिव बाबा की याद में, बाप दादा की इन्तजार में बैठे है) याद शिव बाबा को करना है। इस समय बाप दादा का इन्तजार है क्योंकि बाप को सवारी जरूर चाहिये। बिगर दादा के तो आ नहीं सकते। यह ऊँच ते ऊँच है। इनकी सवारी कितनी साधारन है। बाप कहते है मैं आता हूँ पतित देश में। यह पराये रावण का देश है। यह कोई समझते नहीं कि हम कोई रावण के पतित देश में है। तुम हो पावन बनने के देश में। पावन बनने का देश अलग हो गया उसको संगम कहा जाता है। और युगों में यह बातें बोलने की नहीं होती। इस संगम युग का सिवाय तुम ब्राह्मणों के और कोई को पता नहीं है। तुम संगम युग को भूलते हो तब मुरझाते हो। समझते हो संगम युग पर है तो खुशी आवे। भगवान पढ़ाते है अभी हम घर जाते है यह याद रहे तो भी खुशी रहे। हम गॉड फादरली स्टूडेन्ट है। तो जरूर देवता बनना है। अन्दर खुशी रहे और बाप की याद रहे। और पुरुषार्थ भी रहे कि कहीं हमारी भूल चूक नहीं हो। अपने ऊपर खबरदारी रखनी होती है। अपने ऊपर बड़ी खबरदारी रखनी है। रजिस्टर खराब हुआ तो दुःख होगा। बड़ी मेहनत लगती है। [illegible] स्त्री को पुरुष का भान, पुरुष को स्त्री का भान मिट जावे इसमें है मेहनत। गन्धर्व विवाह तो इसी लिये करते है कि हम पवित्र रहकर दिखावेंगे। आदत पड़ी नहीं है। परन्तु जो इकठ्ठे रहते आये है स्त्री पुरुष उनको जास्ती मेहनत लगती है। अगर वो पवित्र रहते रहे तो सर्विसबुल भी खूब हो जावे तो ऊँच पद पा सकते है। उनको आफरीन है। कुमार कुमारी तो रह सकते है। भल कहेंगे कि कुमारकुमारी भी खराब हो जाते है। इस अवस्था में अगर अकेले साक्षी होकर ड्रामा की ढूलपर चले शरीर निर्वाह भी करे सर्विस भी करते रहे तो पद बहुत ऊँच पा सकते है। जैसे अगम-निगम कहते है कि प्रोग्राम बनाता हूँ कि [illegible] गाँव-2 में पैदल सर्विस करता जाऊँ। दूर कितो कोई बात नहीं। पैसा याद रहता नहीं है। कहीं भी जाना यह दिखाना है। पैसे नहीं लेने है। अगर कुछ लो तो कहो हेड आफिस में भेज दो। [illegible] नहीं करना है। समझाया है तब देते है। तो कुछ चीज वो देंगे। कमाई भारी हो जावेगी। यह सर्विस का प्लान अच्छा है। दो तीन है जिनको यह शौक है। लक्ष्मण के क्षेत्र वाले को भी बहुत शौक है। लिखते है कि यह जिस्मानी सर्विस छोड़ जाऊँ तो मैं रूहानी सर्विस में लग जाऊँ। दोनों स्त्री पुरुष जोड़ी हो इस सर्विस में रहे गृहस्थ व्यवहार में रहते घर [illegible] में रह कर सर्विस करते रहे तो उनकी महिमा बड़ी है। जोड़िया बहुत चाहिये। [illegible] उनके लिये गवर्मेन्ट से [illegible] मिल सकता है। एक ड्राइवर हो और उनको कोई [illegible] गाड़ी मिल जावे तो [illegible] को साथ में लेकर चक्कर लगाते रहे गाँव-गाँव में फिरते रहे। एक दिन ऐसा [illegible] भी निकलेंगे। सर्विस का शौक चाहिये। बाप कहते है कि तुम [illegible] के दाम के [illegible] हो तो तुमको [illegible] होकर बाप को याद करना चाहिये। यह तुम्हारी कमाई है। भक्तों की कमाई नहीं है। कमाई तुम्हारी होती है। जितना याद करेंगे उतनी ही कमाई है। फिर भी बहुतों से मेहनत पहुँचती नहीं है। कमाई में कब मनुष्य आराम नहीं चाहते है। [illegible] की कमाई है ना। माया चट्टी लगा कर उल्टा सुल्टा काम कराती रहेगी जब तक कि [illegible] अवस्था बने। उसमें तो समय पड़ा है। फिर मालूम पड़ेगा अभी तो विनाश साम्ने खड़ा है। [illegible] है। तुम [illegible] कैसे [illegible] गिरते है। भारत में तो खून की नदियाँ बहनी है। वो [illegible] को खत्म कर देंगे। नेचरल कैलेमिटीज होगी। मुसीबतें सबसे जास्ती भारत पर है। अपने ऊपर बहुत [illegible] रखनी है। हम क्या सर्विस करते है। कितनों को आप समान नर से नारायण बनाते है। कोई-2 [illegible] में [illegible] है तो समझते है कि यह बच्चियाँ क्या पढ़ावेंगी। समझते नहीं कि इनको [illegible] पढ़ा रहा है वो बन्द है तो लड़ने लग जाते है। [illegible] [illegible] नहीं पा सकते। फिर [illegible] पैसे का [illegible] सतयुग में पातेग [illegible] याद रहने वाले बच्चों को याद प्यार और गुडनाईट